भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-5313
उत्तर दिनांक 25/03/2026 को दिया गया

यूरेनियम की आपूर्ति संबंधी अनुबंध

5313. डॉ. के. सुधाकर
श्री दुलू महतो
श्री पी. पी. चौधरी
श्री सुधीर गुप्ता
श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव
डॉ. संजय जायसवाल
श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटी
श्री जनार्दन मिश्रा
श्री शंकर लालवानी

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार ने 10,000 टन यूरेनियम अयस्क सांद्र सामग्री के लिए कैमेको के साथ 2.6 बिलियन सीएडी के यूरेनियम की आपूर्ति संबंधी अनुबंध को अंतिम रूप दे दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त समझौता किस प्रकार भारत के 24 चालू रिएक्टरों और निर्माणाधीन स्वदेशी 700 मेगावाट (पीएच्डब्ल्यूआर) के लिए सतत ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करेगा;

(ग) 'विकसित भारत' के 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा लक्ष्य के लिए उक्त समझौते के संभावित सकारात्मक प्रभावों का ब्यौरा क्या है और क्या कजाकिस्तान तथा उज्बेकिस्तान के साथ भी इसी प्रकार की वार्ता चल रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने वर्ष 2026 के बजट में घोषित गैर-विकिरणित परमाणु ईंधन पर बुनियादी सीमा शुल्क में छूट के बाद आयात किए गए ईंधन आधारित रिएक्टरों के लिए बिजली की लागत में कमी देखी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) परमाणु ऊर्जा विभाग विदेशों में यूरेनियम के खनन संबंधी अधिकार सुरक्षित करने और वैश्विक मूल्य अस्थिरता के जोखिम को कम करने के लिए विदेश मंत्रालय के साथ किस प्रकार समन्वय कर रहा है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) हां। सरकार ने 2027 से 9 वर्षों की अवधि के लिए 8300 एमटीयू यूरेनियम अयस्क सांद्रण की आपूर्ति के लिए मेसर्स कैमेको, कनाडा के साथ एक अनुबंध को अंतिम रूप दिया है।

(ख) इस अनुबंध से प्राकृतिक यूरेनियम के भंडार को सुदृढ़ करने में योगदान मिलने की संभावना है और इससे आईएईए की संरक्षा के अधीन प्रचालित पीएचडब्ल्यूआर और निर्माणाधीन स्वदेशी 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर, जिन्हें आईएईए की संरक्षा के अधीन रखा जा सकता है, हेतु सतत ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

(ग) यह समझौता प्राकृतिक यूरेनियम के भंडार को सुदृढ़ करने में सहायक होगा, जिससे 'विकसित भारत' के लिए नाभिकीय ऊर्जा लक्ष्य की प्राप्ति में योगदान मिलेगा। यूरेनियम अयस्क सांद्रण के रूप में यूरेनियम प्रापण के लिए लिए कज़ाख्स्तान और उज्बेकिस्तान की राज्य एजेंसियों के साथ बातचीत जारी है।

(घ) बजट 2026-27 में घोषणा के बाद से, बजट घोषणा के परिणामस्वरूप, बिजली की लागत में कमी का आकलन करने के लिए कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत संयंत्र (केकेएनपीपी) के लिए गैर-किरणित ईंधन का कोई आयात नहीं किया गया है।

(ङ) परमाणु ऊर्जा विभाग विकसित भारत के लिए नाभिकीय ऊर्जा मिशन के अंतर्गत एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के लिए विश्व में संभावित अवसर निर्धारण हेतु विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहा है।

*****